खाद्यान्न की ढुलाई और उसके भण्डारण के लिए भारतीय खाद्य निगम द्वारा भारी व्यय

*49. **श्री रामनरेश यादव :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि भारतीय खाद्य निगम द्वारा अनाज को लाने ले जाने पर, उसके भण्डारण करने में तथा तत्संबंधी प्रशासनिक व्यय में निरन्तर वृद्धि हो रही है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस वृद्धि को रोकने के लिए सरकार द्वारा पूरा प्रयास किया गया है; और

(ग) यदि हां, तो वर्ष 1987-88 एवं वित्तीय वर्ष 1988-89 के प्रथम नौ महीनों में अनाजों की विभिन्न मदों के प्रत्येक क्विंटल पर ऐसा कितना व्यय किया गया है?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुख राम) : (क) और (ग) निगम द्वारा 1986-87 और 1987-88 के वर्षों के दौरान वसूल और वितरित किए गए खाद्यान्नों पर निगम द्वारा ढुलाई (जिसमें मंडी श्रम, प्रेषण प्रभार, आंतरिक संचलन, भाड़ा, हैंडलिंग खर्चे और मार्गस्थ हानियां शामिल हैं), भण्डारण (जिसमें भंडारण, स्थापना और भण्डारण हानियां शामिल है) और प्रशासन (जिसमें राज्य की एजेंसियों और भारतीय खाद्य निगम पर स्थापना प्रभार शामिल हैं) पर किए गए खर्चे का ब्यौरा नीचे दिया जाता है। चूंकि निगम द्वारा इन मदों के लिए मासवार लेखे तैयार नहीं किए जाते हैं, इसलिए वर्ष 1988-89 के लिए ब्यौरे उपलब्ध नहीं हैं :--

दर/रुपये/क्विंटल

	1986-87		1987-88	
	गेहूं	चावल (धान शामिल है)	गेहूं	चावल (धान शामिल है)
1. ढुलाई खर्च	43.58	41.09	41.47	39.04
2. भण्डारण खर्च	22.42	4.65	21.44	6.78
3. प्रशासनिक खर्च	4.50	3.89	5.32	4.76

(ख) भारतीय खाद्य निगम की परिचालन लागत को कम करने विषयक प्रश्न पर सरकार और निगम निरन्तर ध्यान दे रहे हैं। लागत को कम करने के लिए जो विभिन्न उपाय लिए गए हैं उनमें ढुलाई को पुनर्विवेकीकृत करना, स्टाफ की संख्या में कमी करना, भण्डारण और मार्गस्थ हानि की प्रतिशतता में कमी करना, अलाभकारी और फालतू गोदामों को खाली करना आदि शामिल है। भारतीय खाद्य निगम के परिचालनों की लागत की विस्तृत लेखापरीक्षा करने का कार्य हाल ही में औद्योगिक लागत और मूल्य ब्यूरो को सौंपा गया है।